ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-06-2026

लातेहार(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-06-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-06-24	2026-06-25	2026-06-26	2026-06-27	2026-06-28
वर्षा (मिमी)	3.0	4.0	6.0	6.0	6.0
अधिकतम तापमान(से.)	36.0	36.0	37.0	35.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	26.0	26.0	25.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	66	65	66	63
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	28	31	32	32	33
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	7	8	8	9
पवन दिशा (डिग्री)	238	251	245	215	223
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	3	2	4	5
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहेगा, हल्की से मध्यम वर्षा के कारण तापमान में हल्की कमी की संभावना है तथा वातावरण में नमी बनी रहेगी। गरज-चमक, तेज हवाओं और वर्षा की संभावना के कारण मौसम अस्थिर रह सकता है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

गरज-चमक के साथ आंधी-तूफान, तेज़ हवाएँ आदि; सतह पर तेज़ हवाएँ

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

फसलों का गिरना, फलों का टूटना

सामान्य सलाहकार:

पिछले दिनों हुई भारी वर्षा तथा आने वाले दिनों में भी वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई किसी भी फसल की बुवाई से पहले जल निकासी सुनिश्चित करें तभी बुवाई के लिए जाएँ। विभिन्न खरीफ फसल की बोआई का उपयुक्त समय 30 जून तक है। धान के फसल को छोड़कर अन्य सभी फसल की बोआई मेढ़ बनाकर ही करें। रोपा धान वाले खेतों में जल जमाव के लिए मेढ़ को दुरुस्त रखें तथा विभिन्न सब्जियों एवं फसलों के खेतों से समुचित जल निकास के लिए व्यवस्था बनाए रखें। खड़ी फसलों में सिंचाई रोक दें और जल निकासी की सुविधा रखें। परिपक्व सब्जियों की तुड़ाई तथा गरमा मक्का की कटाई के लिए साफ़ मौसम का इंतज़ार करें। मौसम साफ होने तक खाद या कीटनाशकों का छिड़काव रोक दें। वर्षा जल संचयन के लिए अपने खेत के निचले भाग में छोटे -छोटे गड्ढे (डोभा) का निर्माण करें।

लघु संदेश सलाहकार:

बारिश के बाद जल्दी बोई गई सब्जियों में मुरझाने की समस्या होने पर 1.5 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन व 25 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 10 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
रागी	मडुआ (रागी) सूखे और बदलते मौसम को झेलने में बहुत सक्षम फ़सल है; धान जैसे ज़्यादा पानी की ज़रूरत वाली फ़सलों की तुलना में इसे बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है। फसल लेने हेतु किसान भाई खेत की तैयारी करें, 3 से 4 बार क्जीत की अच्छि तरह जुताई कर लें तथा पाटा चला दें। गोबर की सड़ी खाद 2 टन प्रति एकर के दर से अच्छी तरह मिला दें। मडुआ टाँड ज़मीन में बोई जाने वाले फसल है इसलिए जल निकासी का अच्छी तरह प्रबंध करें।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। बीज किसी प्रमाणित श्रोत से ही खरीदें। बीजों को बोने से पहले अरहर के लिए उपयुक्त राईजोवियम तथा फास्फोरस में घुलनशील बैक्टीरिया से उपचार करें तथा अच्छे अंकुरण के लिए खेत में पर्याप्त नमी होनी आवश्यक है। इस उपचार से बीजों के अंकुरण तथा उत्पादन में वृद्धि होती है। अरहर की उन्नत किस्में – एल.आर.जी.-41, बिरसा अरहर-1, नरेन्द्र अरहर-1 एवं 2, बहार, आई.सी.पी.एच.-2671 इनमे से किसी एक किस्म का चुनाव करें।
मक्का	मिट्टी में मौजूद नमी का इस्तेमाल करके बुवाई का काम पूरा करें और यह पक्का करें कि पानी की निकासी ठीक हो ताकि जड़ों के आस पास पानी जमा न हो। फॉल आर्मीवर्म के प्रकोप पर नज़र रखें; पौधों के ऊपरी हिस्सों की नियमित रूप से जाँच करें। बारिश के बाद निराई - गुड़ाई से जुड़े ज़रूरी काम और खरपतवार हटाने का काम करें। नाइट्रोजन का टॉप ड्रेसिंग तभी करें जब मिट्टी में पर्याप्त नमी हो।
चावल	बीजस्थली में समुचित नमी बनाए रखें तथा बीजस्थली के चारों तरफ जल निकास के लिए बनाई गयी नालियों को दुरुस्त रखें। पहले से उगाये गए 10-12 दिनों के बिचड़े में यूरिया का भुरकाव 2 किलोग्राम प्रति 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल की दर से करें तथा यूरिया भुरकाव से पहले मिट्टी में उपलब्ध नमी का अवश्य ध्यान रखें। जो किसान अभी तक बिचड़ा तैयार करने के लिए बीज बीजस्थली में नहीं डाल पाए हैं, वे 3 - 4 दिनों के अंतराल पर क्रमश: तीन –चार किस्तों में बीज बोएँ तथा बीजस्थली को जमीन की सतह से थोड़ी ऊपर बनाएँ।
सोयाबीन	सोयबीन फसल लगाने हेतु किसान भाई वर्षा के शीघ्र बाद बुवाई करें। इसके लिए अच्छे जल निकासी वाली हल्की दोमट मिट्टी उत्तम होती है। इसके लिए बीज दर 30 से 32 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर सेलें। उन्नत किसमें है – बिरसा सोयबीन – 1, बिरसा सोयबीन – 2, जे एस – 97-52, आर के एस – 18 एवं बिरसा सोयबीन – 3। बीजों को बुवाई से पूर्व राईज़ोबियम कल्चर से अवश्य उपचरित कर लें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	टमाटर की फसल में जल-जमाव और जड़ों की बीमारियों से बचने के लिए पानी की निकासी का इंतज़ाम करें। ज़्यादा नमी से अर्ली ब्लाइट, लेट ब्लाइट और बैक्टीरियल विल्ट जैसी बीमारियाँ हो सकती हैं; इसलिए फसल की नियमित निगरानी करें। पौधों को गिरने से बचाने और बीमारियों का असर कम करने के लिए उन्हें सहारा दें।
भिण्डी	भिंडी में येलो वेन मोज़ेक वायरस को नियंत्रित करने के लिए नीम का तेल @ 2 मिली / 1 लीटर पानी के साथ सुबह के समय छिड़काव करें या इस रोग को नियंत्रित करने के लिए पीले चिपचिपे जाल का उपयोग करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

फूल एवं फल झड़ना, फसल गिरना, जल जमाव

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

फसलों में जल निकासी की व्यवस्था करें, सहारा वाली फसलों को बांधें

Farmers are advised to download Unified �Mausam� and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details